अभ्यास पत्रक (Worksheet) **कन्यादान**

प्रश्न 1. माँ ने बेटी को क्या-क्या सीख दी?

उत्तर- माँ अपनी बेटी को सीख दी कि -

- अपनी सुंदरता पर कभी घमंड मत करना, हमेशा मन की सुंदरता का महत्व होता है।
- वे कहती हैं कि आग रोटियाँ सेंकने के लिए होती है, अपने आप को कभी इसमें जलाना मत।
- अपना स्वभाव कोमल रखना, लेकिन कभी अपनी भावनाओं से किसी को खेलने मत देना।
- वस्त्र-आभूषण में अपने आप को खो मत देना, तुम अपना व्यक्तिव निखारना और अपनी एक पहचान बनाना।

प्रश्न 2. आपके विचार से माँ ने ऐसा क्यों कहा कि लड़की होना पर लड़की जैसी मत दिखाई देना?

उत्तर- माँ उसे अब एक जिम्मेदार औरत की भूमिका में देखना चाहती है और चाहती है कि वह अपना लड़कपन छोड़ दे। उसे हर संभव यह कोशिश करनी होगी कि लोगों की बुरी नजर से बचे। हमारे समाज में लड़कियों की कमजोर स्थिति के कारण उनपर अत्याचार का खतरा हमेशा बना रहता है।

प्रश्न 3. माँ को अपनी बेटी 'अंतिम पूँजी' क्यों लग रही थी?

उत्तर: जाहिर है कि जिस संतान को किसी माँ ने इतने जतन से पाल पोस कर बड़ा किया हो, उसे किसी अन्य को सौंपने में गहरी पीड़ा होती है। बच्चे को पालने में माँ को कहीं अधिक दर्द का सामना करना पड़ता है, इसलिए उसे दान करते वक्त लगता है कि वह अपनी आखिरी जमा पूँजी किसी और को सौंप रही हो।